प्रकाशन का गौरवाशाली 14वाँ वर्ष

दिव्य हिमगिरि

हिमालयी राज्यों की पहली साप्ताहिक पत्रिका

नज़र सब पर

वर्ष 14 | अंक 44 | मूल्य 15 रुपये | 23-29 मार्च, 2025

श्री झण्डे जी पर नतमस्तक होकर लाखों श्रद्धालुओं ने झुकाए शीश

चार धाम यात्रा के लिए शुरू हुए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन

सीएम धामी के ऐतिहासिक फैसलों से बदल रही उत्तराखंड की तस्वीर

वर्ष 14 | अंक 44

दिव्य हिमगिरि

23-29 मार्च, 2025

संपादक
कुँवर राज अस्थाना

वरिष्ठ संवाददाता
शंभूनाथ गौतम

ब्यूरो प्रमुख
मोनिका डबराल

विज्ञापन
पूनम आर्या

ग्राफिक डिजायनर
देव भट्ट

संवाददाता
हरिद्वार : डॉ. रजनीश गौतम
पौडी : रत्नमणि भट्ट
कोटद्वार : के.पी. बौंठियाल
रूद्रपुर : हेमचन्द्र बुडलाकोटी
चमोली : मुकेश रावत
रुड़की : श्रीगोपाल नारसन
नैनीताल : शीतल तिवारी
अल्मोड़ा : संजय कुमार अग्रवाल (एड.)
विकासनगर : अजय शर्मा
प्रसार : रमेश सिंह रावत

संपादकीय कार्यालय : 6, म्युनिसिपल रोड, बाला हिसार स्कूल के सामने, डालनवाला देहरादून (उत्तराखंड)
मोबाइल : +91 8433456398, 9410353164
Email: divyahimgiriddn@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक कुँवर बहादुर अस्थाना द्वारा सरस्वती प्रेस, 2, ग्रीन पार्क, निरंजनपुर, देहरादून से मुद्रित तथा 39/7 ई, ई. सी. रोड, (निकट मार्शल स्कूल सीनियर विंग) देहरादून-248001 उत्तराखण्ड से प्रकाशित। संपादक: कुँवर बहादुर अस्थाना*

*(पीआरबी एक्ट के तहत प्रकाशित सामग्री के लिए उत्तरदायी)

अफवाहों से झुलसते शहर

अफवाहों की आग में भारत के शहर के शहर झुलस रहे हैं। साइबर समाज में सोशल मीडिया अफवाहे फैलाने में अहम रोल अदा कर रहे हैं। अफवाहें जंगल में आग की तरह कैसे फैलती हैं उसका ताजा उदाहरण है नागपुर। नागपुर में औरंगजेब की कब्र हटाने को लेकर हुए प्रदर्शन के दौरान एक समुदाय की धार्मिक पुस्तक जलाए जाने की अफवाह के बाद जिस तरह हिंसा और आगजनी हुई, उससे जाहिर है कि अफवाह किसी भी शहर और समाज के लिए घातक होती है। इस हिंसा में कई लोग जख्मी हो गए। कोई दोराय नहीं कि इस घटना ने शहर की समरसता पर चोट की है। पिछले कुछ वर्षों में देश में अलग-अलग राज्यों में हुई हिंसा की कई घटनाओं के पीछे किसी न किसी अफवाह की भूमिका पाई गई। मगर नागपुर में हिंसा के पीछे असल मुद्दा औरंगजेब की कब्र का है, जिसे हटाने के लिए पिछले कई दिनों से मांग उठ रही है। दुर्भाग्यवश न केवल इस पर राजनीति हो रही, बल्कि इस मुद्दे को जिस तरह हवा दी जा रही है, वह चिंता का विषय है। सभी जानते हैं कि इतिहास से जुड़ी धरोहरों को खत्म नहीं किया जा सकता। कोई सभ्य देश अपने इतिहास को मिटाता नहीं है। वह ऐतिहासिक स्थलों को संरक्षित करता है, ताकि आने वाली पीढ़ियां अपने इतिहास को जानें और उससे सबक लें। नागपुर में हुई हिंसा को इसलिए भी गंभीरता से लिया जाना चाहिए कि इस तरह की घटना से सामाजिक समरसता को गहरी ठेस पहुंचती है। तीन सौ साल से भी अधिक पुराने मुद्दे पर अचानक विवाद खड़ा करने के पीछे की राजनीति निराशाजनक है। इस घटना ने सभी को झकझोर कर रख दिया है। दुखद यह कि हिंसा ऐसे शहर में हुई, जहां हर धर्म और समुदाय के लोग वर्षों से सद्भाव के साथ रहते आए हैं। यह अपनी संस्कृति और विरासत के लिए जाना जाता है। यहां सभी मिल-जुल कर त्योहार मनाते और दुख-सुख साझा करते रहे हैं। मगर कटु सत्य है कि उपद्रवियों का कोई नैतिक मूल्य नहीं होता। उनमें मानवीय संवेदना नहीं होती। नागपुर में हिंसा भड़कने के पीछे कोई पूर्व नियोजित साजिश हो सकती है। यह जांच का विषय है। मगर इस समय आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति से ऊपर उठने की जरूरत है। नागपुर की खूबसूरती उसके सौहार्द में निहित है। इसे बचाना सभी का दायित्व है। हो सकता नहीं, ये सत्य है कि हमारे समाज के कुछ लोग पिछले कुछ वर्षों से देश के कुछ शहरों को टारगेट करके वहां के सामाजिक सौहार्दता का बिगाड़ने का कार्य कर रहे हैं। जो लोग प्री-प्लान तरीके से अफवाहें फैला को शहर की सामाजिक समरसता को खराब करते हैं, उनके कुछ अपने राजनैतिक या राष्ट्रविरोधी निहितार्थ हो सकते हैं। लेकिन जो लोग अफवाहों के चंगुल में फंसकर अपने ही शहर की सामाजिक समरसता में जहर घोलते हैं, वहीं लोग आगे चलकर लंबे समय तक उसको भोगते हैं। जब किसी शहर में दंगा होता हैं तो आम आदमी के रोजगार पर सबसे पहले चोट पहुंचती है। जिसकी भरपाई करने में लंबा समय लग जाता है। अफवाह फैलाने वाले तो निकल जाते हैं लेकिन उनके दिए जख्म मासूम लोगों पर लंबे समय तक रह जाते है।

कुँवर राज अस्थाना

सीएम धामी के ऐतिहासिक फैसलों से बदल रही उत्तराखंड की तस्वीर

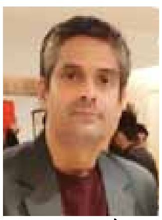

शंभू नाथ गौतम
वरिष्ठ पत्रकार

धामी सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल के 3 साल पूरे किए। अपनी सरकार के तीन साल पूरा होने पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोशल मीडिया पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं । शनिवार को देहरादून में जब मुख्यमंत्री धामी अपनी सरकार की तीन साल की उपलब्धियां गिना रहे थे जब उनके चेहरे पर आत्मविश्वास के भाव थे। समान नागरिक संहिता, धर्मांतरण कानून, दंगारोधी कानून और सख्त भू कानून जैसे ऐतिहासिक एवं साहसिक कदम उठाए। जनता ने न केवल सरकार के फैसलों को सराहा, बल्कि समय समय पर उप चुनाव, निकायों में इन पर सहमति की मुहर तक लगाई। सैकड़ों अवैध मदरसों पर ताला लगाया गया है। सख्त कानून बना कर प्रदेश की जनता की चिंताओं को दूर किया। 38वें राष्ट्रीय खेलों का सरकार ने शानदार आयोजन कर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। आज तेजी से आगे बढ़ रहे उत्तराखंड में सीएम धामी और विकास एक दूसरे के पूरक बन गए हैं। राज्य में अब तक की भाजपा सरकार में पुष्कर सिंह धामी सबसे लोकप्रिय मुख्यमंत्री बन गए हैं।

उत्तराखंड में मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चाओं के बीच मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कई ऐतिहासिक फैसलों और बड़ी उपलब्धियों के साथ दूसरे कार्यकाल का 3 साल पूरा कर लिया है। सॉफ्ट छवि वाले पुष्कर सिंह धामी ने राज्य के विकास के हित में बड़े फैसले लेकर पार्टी में एक लोकप्रिय नेता के रूप में स्थापित कर लिया है। शनिवार को राजधानी देहरादून में जब मुख्यमंत्री धामी अपनी सरकार की तीन साल की उपलब्धियां गिना रहे थे जब उनके चेहरे पर आत्मविश्वास के भाव थे। आने वाले दिनों में जल्द ही धामी सरकार का मंत्रिमंडल बड़ा होने जा रहा है। राज्य में मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर कई दिनों से तैयारी चल रही थी। लेकिन ऐनमौके पर मंत्रिमंडल विस्तार कुछ दिनों के लिए टाल दिया गया। हर चीज का वक्त मुकर्रर है। शपथ ग्रहण समारोह के लिए स्टेज सजने लगा था। राज्यपाल को भी शपथ समारोह के लिए सूचित कर दिया गया। बाद मंत्रिमंडल विस्तार की हो तो कई विधायकों ने मंत्री बनने की तैयारी भी शुरू कर दी। जाहिर है मंत्रिमंडल विस्तार में मंत्री बनने की सभी की इच्छाएं जाग जाती हैं। राजधानी देहरादून से लेकर दिल्ली तक मुख्यमंत्री, विधायकों की दौड़ भी शुरू हो गई। 10 दिनों तक उत्तराखंड में मंत्रिमंडल विस्तार ट्रेंडिंग में रहा। मौजूदा राजनीति में ब्रांडिंग के साथ ट्रेडिंग का खूब बोलबाला है। मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी दो दिनों तक दिल्ली में डटे रहे। लेकिन दिल्ली आलाकमान ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को जल्दबाजी में मंत्रिमंडल विस्तार करने की हरी झंडी नहीं दी। पहले कयास लगाए जा रहे थे कि रविवार 23 मार्च को धामी सरकार के दूसरे कार्यकाल के तीन साल पूरे होने से पहले मंत्रिमंडल विस्तार हो जाएगा लेकिन ऐसा नहीं हो सका। भाजपा की राजनीतिक मजबूरियां भी थी। हाईकमान को उत्तराखंड में जातीय के समीकरण क्षेत्रीय समीकरण भी साधने थे। विधानसभा चुनाव 2027 के मद्देनजर कुछ नए चेहरे मंत्रिमंडल में शामिल किए जाएंगे।

इसके पीछे की मकसद यह है कि मंत्रिमंडल से पूरे राज्य का प्रतिनिधित्व हो सकेगा और पार्टी और विधायकों में नाराजगी भी कम रहेगी। विधायक अपनी दावेदारी मजबूत करने के लिए पार्टी के आलाकमान के पास अपना दावा कर रहे हैं। भाजपा रणनीतिकार तैयार नहीं थे। दिल्ली बीजेपी केंद्रीय नेतृत्व ने धामी सरकार से कहा पहले 3 साल का जश्न मनाइए मंत्रिमंडल विस्तार बाद में कर लेंगे। पार्टी हाईकमान नहीं चाहता कि धामी सरकार के 3 साल जश्न समारोह से पहले मंत्रिमंडल विस्तार हो। मंत्रिमंडल में कई विधायक मंत्री बनने के लिए तैयारी किए हुए हैं। और उनका मंत्रिमंडल में नंबर नहीं आ पाता तो नाराजगी भी झेलनी पड़ सकती थी। इसी को ध्यान में रखते हुए उत्तराखंड का मंत्रिमंडल विस्तार कुछ दिनों के लिए आगे बढ़ा दिया गया है। अब संभावना जताई जा रही है कि इसी

सीएम धामी ने आत्मविश्वास के साथ गिनाई तीन वर्ष की उपलब्धियां

4 जुलाई 2021 को तीरथ सिंह रावत को हटाकर पुष्कर सिंह धामी को मुख्यमंत्री बनाया गया। 23 मार्च 2022 को धामी दोबारा उत्तराखंड के मुख्यमंत्री बने। धामी सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल के 3 साल पूरे किए। अपनी सरकार के तीन साल पूरा होने पर मुख्यमंत्री धामी ने सोशल मीडिया पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। शनिवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पत्रकारवार्ता की। उन्होंने कहा कि इन तीन वर्षों में पार्टी ने जनहित में साहसिक कदम उठाए हैं। उन्होंने प्रदेश सरकार के तीन वर्षों को देवभूमि के लिए शानदार, ऐतिहासिक और इतिहास निर्माण करने वाला बताया। कहा कि पीएम मोदी के मार्गदर्शन में युवा उत्तराखंड युवा मुख्यमंत्री की अच्छी सोच, मेहनत और दृढ़ शक्ति से तीव्रता से आगे बढ़ रहा है। सीएम धामी ने कहा कि इस सरकार के गठन से पहले हुए चुनाव में एक बड़ा मिथक टूटा। क्योंकि राज्य गठन के बाद से ही ये मिथक था कि एक कार्यकाल के बाद सरकार बदल जाती थी। लेकिन साल 2022 में प्रदेश की जनता ने मिथक तोड़ते हुए दोबारा भाजपा की सरकार पर भरोसा जताया। सीएम ने कहा कि इस कार्यकाल के दौरान रैणी आपदा, सिल्क्यारा टनल, केदारघाटी की आपदा, हरिद्वार में बाढ़ समेत तमाम आपदाएं देखी गईं। इसके साथ ही फरवरी 2025 को माणा में हुए हिमस्खलन के चलते तमाम लोगों की जानें चली गईं। सरकार किसी भी चुनौती से पीछे नहीं हटी है, बल्कि चुनौतियों से पार पाने के लिए प्रयास किया है। साथ ही लोगों के बीच में खड़े रहकर काम किया है। वर्तमान समय में सरकार ट्रैफिक मैनेजमेंट पर भी जोर दे रही है, क्योंकि आने वाले समय में ये एक बड़ी चुनौती होने वाली है। हमारी सरकार चारधाम यात्रा को सुगम एवं सुरक्षित बनाने के साथ ही प्रदेश में तीर्थाटन को बढ़ावा देने हेतु राज्य के अन्य प्राचीन मंदिरों का भी पुनरुद्धार कर रही है। मानसखंड मंदिर माला मिशन के अंतर्गत प्रथम चरण में कुमाऊं क्षेत्र के 16 मंदिरों को चिन्हित कर विकसित किया जा रहा है। निश्चित तौर पर प्रदेश में बढ़ती श्रद्धालुओं की संख्या स्थानीय लोगों के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर सृजित कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछले 3 वर्षों में हमने 20 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियों के माध्यम से रोजगार दिया है, उत्तराखण्ड का सख्त नकल विरोधी कानून देश के अन्य राज्यों के लिए भी मिसाल बना है। देवभूमि उत्तराखण्ड को शत प्रतिशत 'अतिक्रमण मुक्त' बनाने तक हमारा अभियान जारी रहेगा। प्रदेश में निरंतर बढ़ता निवेश स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए द्वार खोल रहा है। हमारी सरकार द्वारा प्रदेश में खेल एवं खिलाड़ियों के उत्थान हेतु कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं, जिससे राज्य में खेल अवस्थापना का अभूतपूर्व विकास हुआ है। उत्तराखंड में 38वें राष्ट्रीय खेलों के सफल आयोजन से जहां एक ओर प्रदेश को देश भर में 'खेलभूमि' के रूप में नई पहचान मिली है, वहीं दूसरी ओर खेलों के इस भव्य समारोह में देश भर से आए हजारों खिलाड़ी हमारी समृद्ध संस्कृति से भी परिचित हुए। सीएम ने कहा कि भाजपा ने प्रदेश की जनता से जो भी वादे किए, वे सभी पूरे हुए। हमारी प्राथमिकता राज्य की डेमोग्राफी एवं उसके देवभूमि स्वरूप को बरकरार रखने की है। समान नागरिक संहिता, धर्मांतरण कानून, दंगारोधी कानून और सख्त भू कानून जैसे ऐतिहासिक एवं साहसिक कदम उठाए। राज्य में लंबे समय से भू कानून की मांग चल रही थी, उसको देखते हुए सरकार भू कानून लेकर आई है। भू कानून को लेकर ये अभी शुरुआत हुई है। ऐसे में प्रदेश की परिस्थितियों को देखते हुए भू कानून में काम किया जाएगा। महिलाओं को 30 फीसदी आरक्षण देने का प्रावधान किया गया। हाउस ऑफ हिमालयन ब्रांड बनाया गया, जिसके उत्पादों की डिमांड बढ़ रही है। सीएम धामी ने प्रदेश की जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य में विकट परिस्थिति के दौरान भी जनता ने अपना हाथ हमपर रखा। हमारी पार्टी पर भरोसा जताया, जिसके लिए मैं हृदय से देवतुल्य जनता का धन्यवाद देता हूं।

महीने के आखिर में या नवरात्रि में मंत्रिमंडल विस्तार होगा। फिलहाल मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी अपने दूसरे कार्यकाल के तीन वर्ष पूरे कर चुके हैं। 23 मार्च साल 2022 को पुष्कर सिंह धामी ने दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की कमान संभाली थी। सीएम धामी के लिए यह तीन साल बड़ी उपलब्धियों भर हुए हैं। अपने दूसरे कार्यकाल में उत्तराखंड की धामी सरकार ने कई ऐतिहासिक और बड़े फैसले किए जिनकी गूंज राज्य में नहीं बल्कि पूरे देश भर में सुनाई दी। धामी सरकार के फैसले अन्य राज्यों के लिए नजीर बन गए हैं। इसके साथ मुख्यमंत्री धामी ने उत्तराखंड को विकसित बनाने में पूरी जान लगा दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह संगठन के तमाम नेताओं और पार्टी के रणनीतिकारों में सीएम धामी के फैसले सराहे जा रहे हैं। सही मायने में मुख्यमंत्री के लिए जश्न मनाने का सही मौका है। हाल के समय में उत्तराखंड सरकार ने एक के बाद एक कई बड़े ऐतिहासिक फैसलों पर मुहर लगाई है। समान नागरिक संहिता, धर्मांतरण कानून, दंगारोधी कानून और सख्त भू कानून जैसे ऐतिहासिक एवं साहसिक कदम उठाए। जनता ने न केवल सरकार के फैसलों को सराहा, बल्कि समय समय पर उप चुनाव, निकायों में इन पर सहमति की मुहर तक लगाई। इसका नतीजा है कि लव जिहाद और लैंड जिहाद की साजिशों पर पूर्ण विराम लग गया है। अभी तक हजारों एकड़ भूमि को अतिक्रमण मुक्त किया गया। सैकड़ों अवैध मदरसों पर ताला लगाया गया है। सख्त कानून बना कर प्रदेश की जनता की चिंताओं को दूर किया। 38वें राष्ट्रीय खेलों का सरकार ने शानदार आयोजन कर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। आज तेजी से आगे बढ़ रहे उत्तराखंड में सीएम धामी और विकास एक दूसरे के पूरक बन गए हैं। राज्य में अब तक की भाजपा सरकार में पुष्कर सिंह धामी सबसे लोकप्रिय मुख्यमंत्री बन गए हैं। सरकार के इन प्रयासों को देखते हुए आने वाले वर्षों में उत्तराखंड देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो सकता है।

हर जिले में आयोजित होंगे कार्यक्रम, लोगों को योजनाओं की दी जाएगी जानकारी

उत्तराखंड की धामी सरकार के 3 साल पूरे होने के उपलक्ष्य सरकार और संगठन प्रदेश में ब्लॉक स्तर पर कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। हर जिले में जन सेवा थीम पर 22 से 25 मार्च तक बहुउद्देशीय व चिकित्सा शिविरों का आयोजन शुरू हो गए हैं। सभी जिलों में

भी 23 मार्च शिविर लगाए जाएंगे। जिला मुख्यालयों में कार्यक्रम की अध्यक्षता जिले के प्रभारी मंत्री करेंगे। जिन जिलों में प्रभारी मंत्रियों की उपलब्धता नहीं है, वहां सांसद अध्यक्षता करेंगे। जन सेवा थीम पर प्रत्येक विधानसभा व लॉक स्तर पर भी बहुउद्देशीय शिविर व चिकित्सा शिविर आयोजित किए जाएंगे। जिसमें सांसद व विधायकों को आमंत्रित किया जाएगा। शिविरों में लोगों को विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी जाएगी और मौके पर ही आवेदन और निस्तारण की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इनमें खासतौर पर मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, वृद्धावस्था पेंशन, किसान सम्मान निधि, आयुष्मान योजना, महिला एवं बाल विकास से जुड़ी योजनाएं, स्वरोजगार ऋण योजनाएं और अन्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिया जाएगा। शिविरों में विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहेंगे और मौके पर ही समस्याओं का समाधान करेंगे। इन शिविरों में निम्नलिखित सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। शिविर में नागरिकों को राशन कार्ड और आधार कार्ड में आवश्यक संशोधन की सुविधा दी जाएगी। वृद्धावस्था, विधवा और दिव्यांग पेंशन योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों को दिया जाएगा। शिविर में आयुष्मान भारत योजना के तहत कार्ड बनाए जाएंगे और स्वास्थ्य परीक्षण की भी सुविधा दी जाएगी। नामांतरण, भूलेख और प्रमाण पत्र संबंधी कार्य शिविर में किए जाएंगे। किसानों को कृषि अनुदान, बीज वितरण और पशुपालन से जुड़ी सेवाएं प्रदान की जाएगी।

देवभूमि पत्रकार यूनियन का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

प्रिंट मीडिया की प्रमाणिकता आज भी कायमः ऋतु भूषण खंडूरी

विधानसभा अध्यक्ष श्रीमती ऋतु भूषण खंडूरी ने देवभूमि पत्रकार यूनियन के शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि पद से बोलते हुए कहा कि लोकतंत्र के तीन स्तंभों के साथ साथ आज भी मीडिया के दायित्व महत्वपूर्ण बने हुए हैं। इसकी जिम्मेदारी अत्यंत आवश्यक हैं। मीडिया के बदलते स्वरूप के बावजूद आज भी प्रिंट मीडिया की प्रमाणिकता कायम है।

स्थानीय उत्तरांचल प्रेस क्लब में आयोजित शपथ ग्रहण एवं अभिनंदन समारोह में शामिल पत्रकारों को संबोधित करते हुए श्रीमती ऋतु भूषण खंडूरी ने कहा कि आज की पत्रकारिता की भूमिका देश व समाज को सही दिशा देने में सक्षम है। वहीं विषम परिस्थितियों से निपटने व पत्रकार हित में पत्रकार यूनियनें महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। प्रेस समाज का आईना है। एक ओर जहां प्रेस को आलोचना करनी चाहिए, वहीं अच्छी बातों को भी उजागर करना चाहिए। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष जी द्वारा देवभूमि पत्रकार यूनियन की नवनिर्वाचित प्रदेश कार्यकारिणी व जिला कार्यकारिणी को पद व गोपनीयता की शपथ ग्रहण कराई।

विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित सूचना आयुक्त योगेश भट्ट ने कहा कि आज मीडिया व पत्रकार में घालमेल हो गया है। जबकि दोनों का कार्य अलग अलग है। आज पत्रकार अपने को मीडिया कहने लगे हैं। आज निरंतर बदलते प्रेस के स्वरूप के कारण पत्रकार का अस्तित्व खतरे में पड़ता जा रहा है। आज हर कोई पत्रकार बन गया है। जिस कारण प्रेस की विश्वनीयता आम जनमानस में संदेहजनक बनती जा रही है। उन्होंने कहा कि पत्रकार संगठन एवं यूनियनों को विषम परिस्थितियों में पत्रकारिता कर रहे पत्रकार साथियों के हितों के लिए तत्पर रहना चाहिए।

इनके अतिरिक्त राज्यमंत्री विनोद उनियाल, सरोजनी सेमवाल, अरुण शर्मा, डी.डी. मित्तल, पंडित विजेंद्र कुमार ममगई, डॉ. एम आर सकलानी, कुँवर राज अस्थाना आदि ने भी विचार रखे। कार्यक्रम का प्रारंभ मां सरस्वती जी के चित्र पर दीपार्चन एवं माल्यार्पण के साथ हुआ। थोड़ा विलंब से पहुंचे कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि महानिदेशक सूचना श्री बंशीधर तिवारी जी ने उपस्थित पत्रकारों से उनकी समस्याओं पर चर्चा करते हुए उनके समाधान का आश्वासन देते हुए कहा कि पत्रकार कभी भी अपनी समस्याएं लेकर मुझसे मिल सकते हैं। उनके समाधान हेतु सदैव मेरा प्रयास रहेगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष अनिल वर्मा ने की तथा संचालन प्रदेश महासचिव डॉ. वी डी शर्मा ने किया। कार्यक्रम में प्रदेश एवं नगर के सैंकड़ों की संख्या में सम्मानित पत्रकारगण, कवि, साहित्यकार, समाजसेवी उपस्थित रहे।

चार धाम यात्रा के लिए शुरू हुए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन

साल 2025 की चार धाम यात्रा के लिए 20 मार्च से ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन शुरू हो गए हैं। यात्रा 30 अप्रैल को गंगोत्री व यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने के साथ शुरू होगी। दो मई को केदारनाथ व चार मई को बदरीनाथ धाम के कपाट खोले जाने हैं। जबकि, हेमकुंड साहिब के कपाट आगामी 25 मई को खोले जाएंगे। यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं को रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य होगा। इस बार राज्य सरकार ने ऑनलाइन पंजीकरण के साथ-साथ 40 फीसदी ऑफलाइन पंजीकरण का निर्णय भी लिया है, जिससे इंटरनेट का उपयोग नहीं कर पाने वाले श्रद्धालुओं को कोई परेशानी नहीं हो।

इस साल चार धाम यात्रा के लिए गुरुवार 20 मार्च से ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन शुरू हो गए हैं। पर्यटन विकास परिषद ने धामों के साथ श्री हेमकुंड साहिब के लिए भी रजिस्ट्रेशन शुरू कर दिए हैं। विभाग ने पहली बार आधार प्रमाणित रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था की है। इससे हर श्रद्धालु का पूरा ब्योरा अपडेट रहेगा। यात्रा 30 अप्रैल को गंगोत्री व यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने के साथ शुरू होगी। दो मई को केदारनाथ व चार मई को बदरीनाथ धाम के कपाट खोले जाने हैं। जबकि, हेमकुंड साहिब के कपाट आगामी 25 मई को खोले जाएंगे। यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं को रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य होगा। यात्री उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद की वेबसाइट (registrationandtouristcare.uk.gov.in) पर जाकर पंजीकरण कर सकते हैं। पर्यटन विकास परिषद रजिस्ट्रेशन के लिए वेबसाइट के अलावा मोबाइल नंबर, व्हाट्सएप और टोल फ्री नंबर भी जारी करेगा। जिस पर कॉल कर कर आप अपना रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। यात्रा शुरू होने के बाद हरिद्वार और ऋषिकेश में ऑफलाइन पंजीकरण प्रक्रिया भी शुरू होगी। जो श्रद्धालु ऑनलाइन पंजीकरण नहीं कर सकते, वह ऑफलाइन पंजीकरण कर यात्रा पर जाएंगे। चारों धामों में यात्रियों को दर्शन के लिए भी टोकन व्यवस्था लागू होगी। इस बार राज्य सरकार ने ऑनलाइन पंजीकरण के साथ-साथ 40 फीसदी ऑफलाइन पंजीकरण का निर्णय भी लिया है, जिससे इंटरनेट का उपयोग नहीं कर पाने वाले श्रद्धालुओं को कोई परेशानी नहीं हो। अधिकारियों के अनुसार गुरुवार तक 1,45,503 श्रद्धालु अपना पंजीकरण करवा चुके थे।

बद्रीनाथ धाम भगवान विष्णु को समर्पित मंदिर है। यह नर-नारायण दो पहाड़ों के बीच बना हुआ है। इस क्षेत्र को बदरीवन कहते हैं। इस मंदिर के पुजारी को रावल कहते हैं। रावल आदि गुरु शंकराचार्य के कुटुंब से ही होते हैं। केरल के नंबूदरी पुजारी ही यहां पूजा करते हैं। केदारनाथ धाम में प्राचीन समय में बदरीवन में विष्णु जी के अवतार नर-नारायण ने यहां पार्थिव शिवलिंग बनाकर पूजा की थी। नर-नारायण की भक्ति से प्रसन्न होकर शिव जी प्रकट हुए। शिव जी ने नर-नारायण से वर मांगने को कहा तो उन्होंने वर मांगा कि आप हमेशा इसी क्षेत्र में वास करें। शिव जी ने वर देते हुए कहा कि अब से वे यहीं रहेंगे और ये क्षेत्र केदार क्षेत्र के नाम से जाना जाएगा। इसके बाद शिव जी ज्योति स्वरूप में यहां स्थित शिवलिंग में समा गए। गंगोत्री में गंगा नदी का मंदिर है। गंगा नदी का उद्गम गोमुख है और गंगोत्री में गंगा देवी की पूजा की जाती है। गंगोत्री के पास वह जगह है, जहां राजा भगीरथ ने देवी गंगा को धरती पर लाने के लिए तप किया था। यमनोत्री में यमुना नदी का उद्गम स्थल माना जाता है। यहां देवी यमुना की पूजा की जाती है। यमुनोत्री मंदिर के बारे में कहा जाता है कि टिहरी गढ़वाल के महाराजा प्रतापशाह ने देवी यमुना का मंदिर बनवाया था। बाद में मंदिर का पुनः निर्माण जयपुर की महारानी गुलेरिया ने करवाया था। यमुना नदी का वास्तविक स्रोत जमी हुई बर्फ की एक झील और हिमनंद (चंपासर ग्लेशियर) है।

सिख श्रद्धालुओं के पवित्र तीर्थ स्थल श्री हेमकुंड साहिब के कपाट 25 मई को खुलेंगे

पांचवें धाम और सिख श्रद्धालुओं के पवित्र तीर्थ स्थल श्री हेमकुंड साहिब के कपाट 25 मई को साल की पहली अरदास के साथ खोल दिए जाएंगे। श्री हेमकुंड साहिब के कपाट खुलने के बाद यह यात्रा 10 अक्टूबर तक चलेगी 10 अक्टूबर को श्री हेमकुंड साहिब की यात्रा का समापन हो जाएगा इस बीच लाखों की तादाद में सिख श्रद्धालुओं के धाम पहुंचने की उम्मीद है जिसके लिए अब गुरुद्वारा प्रबंधन और प्रशासन मिलकर तैयारियां तेज करेंगे। श्री हेमकुंड साहिब के लिए भी रजिस्ट्रेशन शुरू कर दिए हैं।

हेमकुंड को गुरुद्वारा श्री हेमकुंड साहिब के नाम से भी जाना जाता है। सिख समुदाय के लिए यह आस्था एक बड़ा केंद्र है। ऐसा माना जाता है कि सिखों के दसवें गुरु, गुरु गोबिंद सिंह जी ने यहां ध्यान में 10 साल बिताये थे। गढ़वाल के हिमालय क्षेत्र में स्थित हेमकुंड साहिब हेमकुंड पर्वत की चोटियों के बीच है। गुरुद्वारे के सामने हेमकुंड नाम की एक झील है, जिसका पानी बर्फ जैसा ठंडा होता है और हर साल यहां आने वाले लाखों श्रद्धालु इस झील में पवित्र स्नान

करते हैं। ऐसा कहा जाता है कि महाकाव्य रामायण में भगवान राम के छोटे भाई लक्ष्मण ने युद्ध में गंभीर चोटों के बाद हेमकुंड के तट पर ध्यान करके अपना स्वास्थ्य वापस पा लिया था। कहा जाता है कि हेमकुंड में स्थित लक्ष्मण मंदिर उस स्थान पर बनाया गया है कि जहां लक्ष्मण ने तपस्या की थी। गुरुद्वारे के आसपास एक विशेष किस्म का फूल उगता है, जिसे ब्रह्म कमल कहा जाता है। श्री हेमकुंट साहिब का गुरुद्वारा और पवित्र हिम सरोवर उत्तराखंड के चमोली जिले में 15,200 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। दुनिया भर में सिख समुदाय के लिए सबसे पवित्र तीर्थ स्थलों में से एक है। हेमकुंट के कपाट 25 मई को खुलेंगे और 10 अक्टूबर को गुरुद्वारे के कपाट शीतकालीन अवकाश के लिए बंद किए जाएंगे।

एक अप्रैल से कार खरीदना हो जाएगा महंगा

कार खरीदने वालों के लिए नया वित्त वर्ष महंगा साबित होने वाला है। 1 अप्रैल 2025 से लगभग सभी दिग्गज ऑटो कंपनियों की कार की कीमत में इजाफा हो जाएगा। मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स और किआ इंडिया के बाद हुंडई इंडिया, होंडा, रेनॉ इंडिया और बीएमडब्ल्यू इंडिया ने अपनी कारों की कीमत बढ़ाने का एलान किया है। यह बढ़ोतरी 1 अप्रैल से लागू होगी। कीमतें बढ़ाने के पीछे सभी ऑटोमोबाइल कंपनियों ने लगभग एक जैसा ही कारण दिया है। कंपनियां इनपुट कॉस्ट और लॉजिस्टिक्स में बढ़ोतरी के चलते ऐसा फैसला ले रही हैं। मारुति ने इस साल तीसरी बार अपनी कारों बढ़ोतरी की है। कंपनियों के इस फैसले का सीधा असर ग्राहकों की जेब पर पड़ेगा।

अगर आप कार खरीदने का प्लान कर रहे हैं आठ दिन के अंदर खरीद लीजिए या बुकिंग करवा लीजिए। क्योंकि नया वित्त वर्ष आने में अब केवल चंद दिन बचे हैं। 8 दिन बाद 1 अप्रैल को शुरू होने जा रहा है। कार खरीदने वालों के लिए नया वित्त वर्ष महंगा साबित होने वाला है। 1 अप्रैल 2025 से लगभग सभी दिग्गज ऑटो कंपनियों की कार की कीमत में इजाफा हो जाएगा। मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स और किआ इंडिया के बाद हुंडई इंडिया, होंडा, रेनॉ इंडिया और बीएमडब्ल्यू इंडिया ने अपनी कारों की कीमत बढ़ाने का एलान किया है। यह बढ़ोतरी 1 अप्रैल से लागू होगी। कीमतें बढ़ाने के पीछे सभी ऑटोमोबाइल कंपनियों ने लगभग एक जैसा ही कारण दिया है। कंपनियां इनपुट कॉस्ट और लॉजिस्टिक्स में बढ़ोतरी के चलते ऐसा फैसला ले रही हैं। मारुति ने इस साल तीसरी बार अपनी कारों बढ़ोतरी की है। कंपनियों के इस फैसले का सीधा असर ग्राहकों की जेब पर पड़ेगा, खासकर उन ग्राहकों पर जो नई कार खरीदने का विचार कर रहे हैं। बढ़ती कीमतों को देखते हुए अगर आप कार खरीदने की सोच रहे हैं, तो अप्रैल से पहले अपनी पसंदीदा कार बुक करने पर आपको फायदा हो सकता है। इसके अलावा नए वित्त वर्ष में कई बदलाव होने जा रहे हैं। जो सीधे आपकी जेब और वित्तीय योजनाओं को प्रभावित कर सकते हैं। इनमें टैक्स, रेंटल इनकम, विदेशी ट्रांजैक्शन, म्यूचुअल फंड, एलपीजी और ईंधन की कीमतों से जुड़े नियम शामिल हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 1 फरवरी को वित्त वर्ष 2025-26 का केंद्रीय बजट पेश किया था। इस दौरान उन्होंने मध्यम वर्ग को आयकर में बड़ी छूट देने के साथ-साथ कई नियमों में बदलाव की घोषणा की थी। अब ये नए नियम वित्त वर्ष की शुरुआत, यानी 1 अप्रैल 2025 से लागू होने जा रहे हैं। इन बदलावों में टैक्स कटौती और स्रोत पर टैक्स संग्रह से संबंधित नए प्रावधान भी शामिल हैं।

सभी दिग्गज ऑटो कंपनियों ने 2 से 4 प्रतिशत तक कारों में की बढ़ोतरी

टाटा मोटर्स ने अप्रैल-2025 से अपनी पैसेंजर कार की कीमत बढ़ाने की घोषणा की है। कंपनी अपने पोर्टफोलियो में शामिल सभी पैसेंजर व्हीकल (पेट्रोल, डीजल और इलेक्ट्रिक) की प्राइस बढ़ाएगी। हालांकि टाटा ने यह नहीं बताया है कि कितने प्रतिशत दाम बढ़ाए जाएंगे। कंपनी 3 महीने में दूसरी बार कारों के दाम बढ़ाने जा रही है, इससे पहले इसी साल जनवरी में अपने पैसेंजर व्हीकल्स की कीमतों में 3% तक की बढ़ोतरी की गई थी। साउथ कोरियन ऑटोमोबाइल कंपनी किआ मोटर्स इंडिया ने भी अपनी कारों के दाम बढ़ाने का एलान किया है। कंपनी ने बताया कि सभी कार की कीमतों में 3% का इजाफा किया जाएगा। नई कीमतें अगले महीने यानी की अप्रैल 2025 से लागू होंगी। मारुति सुजुकी ने कहा कि, रॉ मटेरियल की बढ़ती लागत और ऑपरेशनल कॉस्ट बढ़ने के कारण अप्रैल-2025 से कारों की कीमतें बढ़ाई जाएंगी। कीमतों में बढ़ोतरी 4% तक होगी और यह मॉडल के आधार पर अलग-अलग होगी। इससे पहले 1 फरवरी 2025 से मारुति ने कार की कीमतों में 32,500 रुपए तक इजफ़ा किया था। वहीं जनवरी में भी कंपनी ने अपने सभी मॉडल्स पर 4% तक की बढ़ोतरी की थी। तब भी मारुति ने कीमत बढ़ाने की वजह रॉ मटेरियल महंगा होना बताया था। साउथ कोरियन ऑटोमैकर हुंडई मोटर ने बुधवार को अप्रैल से गाड़ियों की कीमत में 3% तक की बढ़ोतरी की घोषणा की है। कीमत में बढ़ोतरी की सीमा मॉडल्स और वैरिएंट के आधार पर अलग-अलग होगी। इससे पहले जनवरी में कंपनी ने अपनी गाड़ियां 25,000 रुपए तक महंगी कर दी थी। गुरुवार को रेनॉ इंडिया ने अपने सभी कार मॉडल्स की कीमतों में 2% तक की बढ़ोतरी करने का फैसला लिया है। यह नई कीमतें अप्रैल 2025 से लागू होंगी। कंपनी ने बताया कि अलग-अलग वेरिएंट और मॉडल्स के आधार पर यह बढ़ोतरी अलग-अलग हो सकती है। लग्जरी कार बनाने वाली कंपनी बीएमडब्ल्यू इंडिया ने भी कार की कीमतों को बढ़ाने का फैसला कर दिया है। बीएमडब्ल्यू इंडिया अपने सभी मॉडल्स की कीमतों को बढ़ाने जा रही है। ये नई कीमतें 1 अप्रैल 2025 से लागू हो जाएंगी। कंपनी ने गुरुवार को अपनी बीएमडब्ल्यू और मिनी कार रेंज में 3 प्रतिशत तक कीमत बढ़ोतरी की घोषणा की है।

श्री गुरु राम राय जी महाराज व श्रीमहंत देवेन्द्र दास जी महाराज के जयकारों से गूंजी द्रोणनगरी

श्री झण्डे जी पर नतमस्तक होकर लाखों श्रद्धालुओं ने झुकाए शीश

खुशियां नाल मनाईये जन्मदिन सद्गुरु दा.... देखो देखों गुरां दा देखो झण्डा चढ़या.....,

श्री गुरु राम राय जी महाराज व श्रीमहंत देवेन्द्र दास जी महाराज के जयकारों के साथ बुधवार को श्री झण्डा साहिब का आरोहण किया गया। आस्था के महाकुंभ का साक्षी बनने के लिए श्री दरबार साहिब में बुधवार को श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। लाखों संगतें व दूनवासी श्री झण्डे जी के सम्मुख श्रद्धा के साथ शीश नवाए व हाथ जोड़े खड़े रहे। हर कोई श्री झण्डा साहिब के समक्ष मत्था टेकने और श्री गुरु राम राय जी महाराज के दर्शन को श्रद्धापूर्वक भावविभोर रहा। श्री दरबार साहिब परिसर व आसपास के क्षेत्रों में तिल रखने भर की भी जगह नहीं थी। जैसे-जैसे श्री झण्डे जी पर गिलाफ के आवरण चढ़ाने का क्रम बढ़ता जाता, संगतों व दूनवासियों का उत्साह भी पराकाष्ठा तक पहुंचता जाता। दर्शनी गिलाफ के चढ़ते ही व श्री झण्डे जी के आरोहण की प्रक्रिया प्रारम्भ होते ही श्री गुरु राम राय जी महाराज के जयकारों की ध्वनि तेज हो उठी। बुधवार शाम 3:50 मिनट पर जैसे ही श्री दरबार साहिब देहरादून के सज्जादे गद्दी नशीन श्रीमहंत देवेन्द्र दास जी महाराज ने आरोहण की प्रक्रिया शुरू करने का संदेश दिया, वैसे ही पूरी द्रोणनगरी श्री गुरु राम राय जी महाराज के जयकारों से गूंज उठी। 4 बजकर 19 मिनट पर श्री झण्डे जी का आरोहण पूर्ण हुआ। संगतों व दूनवासियों ने श्री गुरु राम राय जी महाराज के जयकारे लगाए व ढोल की थाप पर जमकर नृत्य किया। इसी के साथ देहरादून के ऐतिहासिक एवम् सांस्कृतिक विरासत श्री झण्डे जी मेले का विधिवत शुभारंभ हो गया।

बुधवार सुबह सूर्य की पहली किरण भी धरती पर नहीं पड़ी थी कि श्री दरबार साहिब परिसर एवम् आस-पास का क्षेत्र संगतों व दूनवासियों से खचाखच भर गया। श्री झण्डे जी को उतारने के लिए संगतें श्री झण्डे जी के नीचे एकत्र हो गईं। श्री झण्डे जी को उतरते व फिर चढ़ते देखना अपने आप में अद्‌भुत एवम अद्वितीय नज़ारा है इस पुण्य को अर्जित करने के लिए देश-विदेश से आई संगतें इस पावन बेला का साल भर बेसब्री से इंतजार करती हैं। सुबह 7:00 बजे से ही विशेष पूजा अर्चना शुरू हो गई थी। सुबह 8:30 बजे श्री झण्डे जी को उतारा गया व पूजा अर्चना की गई। श्री झण्डे जी (पवित्र ध्वज दण्ड) को संगतों ने सुबह दूध, घी, शहद, गंगाजल व पंचगब्यों से स्नान करवाया। 90 फीट ऊंचे श्री झण्डे जी पर पहले सादे और शनील के गिलाफ चढ़ाने की प्रक्रिया शुरू हुई। खास बात यह है कि इस पूरी प्रक्रिया के दौरान श्री झण्डे जी को एक पल के लिए भी ज़मीन पर नहीं रखा जाता। संगतें अपने हाथों पर श्री झण्डे जी को थामे रहती हैं। दोपहर करीब 01:30 बजे श्री झण्डे जी पर दर्शनी गिलाफ चढ़ाने की प्रक्रिया शुरू हुई। यह दृश्य देखते हुए संगतों व दूनवासियों के श्रद्धाभाव आंखों से छलक आए। हर कोई दर्शनी गिलाफ को छूकर पुण्य अर्जित करने के लिए उत्सुक दिखा। बुधवार शाम 4 बजकर 10 मिनट पर नए मखमली वस्त्र और सुनहरे गोटों से सुसज्जित श्री झण्डे जी के आरोहण की प्रक्रिया आरंभ हुई। दरबार श्री गुरु राम राय जी महाराज के सज्जादे गद्दी नशीन श्रीमहंत देवेन्द्र दास जी महाराज के दिशा-निर्देशन में श्री झण्डे जी के नीचे लगी लकड़ी की कैंचियों को थामे श्रद्धालुजन श्री झण्डे जी को उठा रहे थे। बुधवार शाम 4 बजकर 19 मिनट पर श्री झण्डे जी का आरोहण हुआ।

देशवासियों पर सदैव बनी रहे श्री गुरु राम राय जी महाराज की कृपा:- श्रीमहंत देवेन्द्र दास जी महाराज

श्री झण्डे जी के आरोहण के बाद श्री दरबार साहिब के सज्जादे गद्दी नशीन श्रीमहंत देवेन्द्र दास जी महाराज ने सभी देश व प्रदेशवासियों सहित संगतों को श्री झण्डा महोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। श्री महाराज जी ने कहा कि श्री झण्डा महोत्सव मेला प्रेम, सदभावना, आपसी भाईचारा, सौहार्द, उल्लास व अमन-चौन का संदेश देने वाला मेला है। उन्होंने कहा कि श्री झण्डे जी पर शीश नवाने से सभी की मन्नतें पूरी होती

90 फीट ऊंचे नए ध्वजदण्ड को कंधों पर उठाकर श्री दरबार साहिब पहुंची संगतें

श्री गुरु राम राय जी महाराज व श्रीमहंत देवेन्द्र दास जी महाराज के जयकारों के साथ 90 फीट ऊंचे नए ध्वजदण्ड (नए श्री झण्डे जी) को श्री दरबार साहिब लाया गया। रविवार को देश विदेश से हज़ारों की संख्या में आई संगतें इस पावन बेला का साक्षी बनीं। रविवार सुबह 6:30 बजे संगतों के श्री गुरु राम राय पब्लिक स्कूल, बॉम्बे बाग पहुंचने का क्रम शुरू हुआ। वहां पर दरबार श्री गुरु राम राय जी महाराज के सज्जादेगद्दी नशीन श्रीमहंत देवेन्द्र दास जी महाराज ने संगत को दर्शन दिए व आशीर्वाद दिया। श्रीमहंत देवेन्द्र दास जी महाराज की अगुवाई में संगतों ने अरदास पढ़ी व सुबह 8:00 बजे संगतों ने नए ध्वजदण्ड को अपने कंधों पर उठाकर श्री दरबार साहिब के लिए प्रस्थान किया। श्री दरबार साहिब परिसर में पहुंचते ही संगतों ने ढोल नगाड़ों की थाप पर जमकर नृत्य किया।

रविवार सुबह पथरी बाग क्षेत्र का नज़ारा पूरी तरह भक्तिमय नज़र आया। श्रद्धा, उमंग, उल्लास व गुरु भक्ति के बीच श्री गुरु राम राय पब्लिक स्कूल बॉम्बे बाग के प्रांगण में जैसे ही संगतों ने नए पवित्र ध्वजदण्ड को अपने कंधों पर उठाया, श्री गुरु राम राय पब्लिक स्कूल बाम्बे बाग से टीएचडीसी चौक, श्री महंत इन्दिरेश अस्पताल के सामने से होते हुए संगतें पवित्र ध्वजदण्ड को लेकर लाल पुल चौक पर पहुंचीं। वहां से मातावाला बाग, सहारनपुर चौक होते हुए संगतें नए ध्वज दण्ड को लेकर सुबह 9:30 बजे श्री दरबार साहिब पहुंची। जिन रास्तों से संगतें नए पवित्र ध्वजदण्ड को लेकर गुजरीं, उन रास्तों पर दूनवासी श्रद्धाभाव के साथ स्वागत के लिए पुष्प लिए खड़े रहे। जहां-जहां से संगत नए झण्डे जी (पवित्र ध्वज दण्ड) को लेकर आगे बढ़तीं, श्रद्धपूर्वक शीश झुक जाते, दूनवासी पुष्पवर्षा करते हुए जोरदार जयकारों के साथ संगत का स्वागत करते गए। दूनवासियों ने गुरु महिमा की पावन सरोवर में डुबकी लगाकर पुण्य अर्जित किया। रास्ते भर दूनवासियों ने संगत का व नए पवित्र ध्वजदण्ड का फूलों की बारिश के साथ जोरदार स्वागत किया। रास्ते में जगह-जगह पर संगत के स्वागत के लिए शबील, पानी, फल आदि लंगर की व्यवस्था की गई थी।

काबिलेगौर है कि साल के पेड़ की लकड़ी को नए श्री झण्डे जी के लिए तैयार किया गया है। पिछले करीब 2 महीने से श्री झण्डे जी के नए ध्वजदण्ड को तैयार करने में कई कारीगर लगे हुए थे। पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, हिमाचल उत्तराखण्ड सहित आसपास के राज्यों से हज़ारों की संख्या में संगतें शनिवार शाम को श्री दरबार साहिब पहुंच गई थी। दरबार श्री गुरु राम राय जी महाराज के सज्जादे गद्दी नशीन श्रीमहंत देवेन्द्र दास जी महाराज की अगुवाई में संगतों ने रविवार सुबह 6:00 बजे श्री दरबार साहिब परिसर से जयकारे लगाते हुए प्रस्थान किया। ढोल नगाड़ों व वाद्य यन्त्रों की धुनों पर संगतें श्री गुरु राम राय जी महाराज के जयकारे लगाती जिससे पूरी दून घाटी गुरुमई हो गई।

श्रीमहंत देवेन्द्र दास जी महाराज ने कहा कि श्री झण्डा महोत्सव प्रेम, स्नेह सद्भाव, भाईचारा, मानवता, श्रद्धाभाव व आस्था से ओतप्रोत मेला है। इस मेले में सभी धर्मों से जुड़े लोग श्री गुरु राम राय जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त करने आते हैं। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री झण्डे जी मेले को पूरी आस्था व श्रद्धाभाव के साथ मनाया जाएगा।

19 मार्च से शुरू होगा ऐतिहासिक श्री झण्डा महोत्सव

19 मार्च को ऐतिहासिक श्री झण्डे जी का आरोहण होगा। इसी के साथ श्री झण्डा महोत्सव का विधिवत शुभारंभ हो जाएगा। दरबार श्री गुरु राम राय जी महाराज के सज्जादे गद्दी नशीन श्रीमहंत देवेन्द्र दास जी महाराज की अगुआई में 19 मार्च को 90 फीट ऊंचे श्री झण्डे जी का अरोहण किया जाएगा। श्री दरबार साहिब प्रबन्धन का अनुमान है कि इस पावन बेला का साक्षी बनने के लिए लाखों की संख्या में श्रद्धालु श्री दरबार साहिब पहुंचने वाले हैं। श्री दरबार साहिब प्रबन्धन, श्री झण्डा मेला आयोजन समिति के मुख्य व्यवस्थापक मधुसूदन सेमवाल ने जानकारी दी कि दरबार साहिब प्रबन्धन की ओर से संगतों के ठहरने की समुचित व्यवस्था कर ली गई है। श्री गुरु राम राय राय पब्लिक स्कूल बिंदाल, श्री गुरु राम राय राय पब्लिक स्कूल तालाब, श्री गुरु राम राय पब्लिक स्कूल राजा रोड, श्री गुरु राम राय पब्लिक स्कूल भण्डारी बाग, श्री गुरु राम राय राय पब्लिक स्कूल पटेल नगर सहित दून की सभी प्रमुख धर्मशालाओं में संगतों के ठहरने की व्यवस्था की गई है। एक दर्जन छोटे बड़े लंगरों की भी व्यवस्था की गई है।

हैं, यही वजह है कि देश विदेश की संगतों सहित दूनवासियों की श्री झण्डे जी की प्रति आस्था बढ़ती जा रही है। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि देशवासियों-प्रदेशवासियों व श्री झण्डे जी मेले में शामिल होने आई संगतों व दूनवासियों पर श्री गुरु राम राय जी महाराज की कृपा सदैव बनी रहे।

पुलिस, प्रशासन व मीडिया कर्मियों का जताया आभार

श्री झण्डा जी मेला आयोजन समिति ने मेले के सफल आयोजन में सहयोग के लिए पुलिस अधिकारियों, पुलिस स्टाफ, प्रशासनिक अधिकारियों, मीडियाकर्मियों व दूनवासियों का आभार जताया। गुरु की प्यारी संगत का दूनवासियों ने जिस आदर के साथ सत्कार किया है उसके लिए सादर आभार एवम् सादर धन्यवाद दिया। श्री झण्डा जी मेला आयोजन समिति के मुख्य व्यवस्थापक मधुसूदन सेमवाल ने समिति के सभी पदाधिकारियों व सदस्यों की ओर से धन्यवाद ज्ञापित किया।

एलईडी स्क्रीनों पर हुआ मेले का सजीव प्रसारण

श्री झण्डे जी आरोहण का लाइव आकर्षण देखने के लिए श्री दरबार साहिब मेला समिति के द्वारा इस बार 5 बड़ी एलईडी स्क्रीनों की व्यवस्था की गई थी। संगतों ने एलईडी स्क्रीन, यूटयूब व फेसबुक पर श्री झण्डे जी आरोहण का सीधा प्रसारण देखा। ड्रोन कैमरे द्वारा की गई कवरेज भी सबकी आकर्षण का केन्द्र रही।

विदेशी संगतें भी पहुंची श्री दरबार साहिब: श्री झण्डे जी पर शीश नवाने के लिए देश-विदेश से संगतें पहुंची हैं। उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश सहित देश के विभिन्न हिस्सों से आई संगतों ने श्री झण्डे जी पर शीश नवाया। विदेशों से आई संगतें भी श्री झण्डे जी आरोहण की साक्षी बनी। श्री दरबार साहिब में श्रद्धालु भजन-कीर्तन के साथ ही गुरु महिमा का गुणगान करते रहे। श्रद्धालुओं ने ढोल की थाप पर जमकर नृत्य किया।

पवित्र सरोवर में लगाई डुबकी: श्रद्धालुओं ने श्री दरबार साहिब स्थित पवित्र सरोवर में डुबकी लगाई। सुबह से ही श्रद्धालु यहां स्नान कर रहे थे। दोपहर बाद में सरोवर के चारो तरफ संगतों के जुटने से यहां का नजारा भी दर्शनीय लग रहा था। साथ ही बच्चों ने भी सरोवर के स्नान का आनन्द उठाया।

श्री झण्डे जी पर नतमस्तक हुए लाखों श्रद्धालु

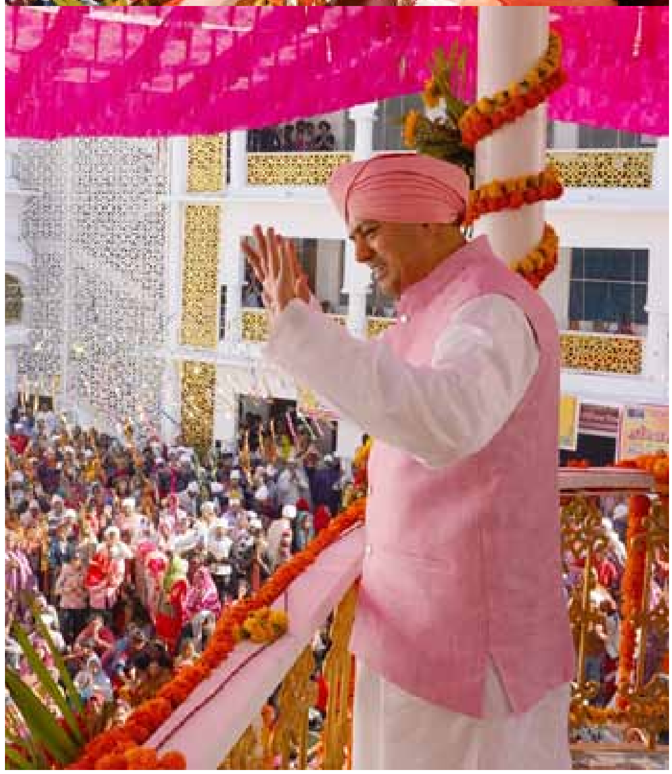

उत्तराखण्ड शासन
देवभूमि रजत उत्सव
सेवा, सुशासन
एवं विकास के
3 साल
21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं । पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हर संभव प्रयास । आज उत्तराखण्ड, इन दोनों ही स्तंभों को लगातार मजबूत कर रहा है । ये दशक उत्तराखण्ड का दशक होगा।
नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री
संकल्प
नये उत्तराखण्ड का
माननीय प्रधानमंत्री जी ने 21वीं सदी के तीसरे दशक को उत्तराखण्ड का दशक कहा है । हम प्रधानमंत्री जी के विजन के अनुरुप राज्य को हर क्षेत्र में आदर्श राज्य बनाने के लिये विकल्प रहित संकल्प के साथ काम कर रहे हैं।

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

विकसित भारत - सशक्त उत्तराखण्ड

▶ पर्यटन

उत्तराखण्ड के जखोल, सूपी, हर्षिल और गुंजी गांवों को भारत सरकार द्वारा सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम के रूप में पुरस्कृत किया गया।

वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के अन्तर्गत सीमांत के 51 गांवों का चयन कर किया जा रहा सुनियोजित विकास।

कुशल प्रबंधन से चारधाम यात्रा पर रिकॉर्ड संख्या में आए श्रद्धालु।

राज्य में पहली बार शीतकालीन यात्रा का हुआ शुभारंभ।

मानसखण्ड मंदिर माला मिशन के अन्तर्गत 48 मन्दिरों तथा अन्य धार्मिक स्थलों को सर्किट के रूप में जोड़ने का कार्य गतिमान।

महासू मन्दिर, हनोल के मास्टर प्लान को दी गई मंजूरी।

▶ कनेक्टिविटी

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे से दिल्ली और देहरादून के बीच यात्रा केवल 2.5 घंटे में पूरी होगी।

गौरीकुण्ड से केदारनाथ एवं गोविन्दघाट से हेमकुण्ड साहिब तक रोपवे निर्माण कार्य को मिली केंद्र सरकार से स्वीकृति। पूर्णागिरी मंदिर रोपवे, काठगोदाम से हनुमानगढ़ी के बीच रोपवे के निर्माण कार्य हेतु प्रक्रिया शुरु।

उड़ान योजना के तहत शुरु की गई देहरादून पिथौरागढ़ उड़ान सेवा ने दोनों शहरों के बीच यात्रा की अवधि को सड़क मार्ग से 12-15 घंटे से घटाकर केवल 60 मिनट कर दिया है।

ऋषिकेश - कर्णप्रयाग रेलवे परियोजना गांवों को शहरो से जोड़ने के लिए एक मील का पत्थर साबित होगी।

₹10,000 करोड़ की भारतमाला परियोजना को सीमा क्षेत्रों में सड़क विकास के लिए स्वीकृत किया गया।

2030 तक उत्तराखण्ड के सभी गांव सड़क से जुड़ेंगे।

▶ युवा-शिक्षा, रोजगार, सौर स्वरोजगार

मुख्यमंत्री सौर स्वरोजगार योजनाः ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर, सोलर प्लांट स्थापित करने पर 50% तक सब्सिडी

पिछले 3 वर्षों में लगभग 20 हजार युवाओं को सरकारी नौकरी।

मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना की हुई शुरुआत।

राज्य में पिछले एक वर्ष में बेरोजगारी दर में 4 प्रतिशत की कमी।

▶ उद्योग एवं निवेश

एमएसएमई नीतिः नए औद्योगिक निवेश को प्रोत्साहन

ऊधमसिंह नगर के खुरपिया फॉर्म में भारत सरकार द्वारा स्मार्ट इंडस्ट्रियल टाउनशिप स्वीकृत।

इन्वेस्टर्स समिट में 3.5 लाख करोड़ के एमओयू, 30 निवेश अनुकूल नई नीतियां, लगभग 85 हजार करोड़ की ग्राउंडिंग पर कार्य गतिमान।

▶ महिला सशक्तिकरण

हाउस ऑफ हिमालयाज, उत्तराखण्ड महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार जैविक और प्राकृतिक उत्पादों के लिए अन्तर्राष्ट्रीय बाजार उपलब्ध

राज्य की महिलाओं को सरकारी नौकरियों में 30% क्षैतिज आरक्षण

लखपति दीदी योजनाः महिला स्वयं सहायता समूहों को ` 5लाख तक का ब्याज मुक्त ऋण

को-ऑपरेटिव बैंकों और सहकारी समितियों में महिलाओं के लिए 33% आरक्षण

मुख्यमंत्री अंत्योदय निःशुल्क गैस रिफिल योजना के तहत राज्य के करीब पौने दो लाख गरीब परिवारों को साल में 3 सिलेंडर मुफ्त रिफिल।

▶ बड़े निर्णय-बड़े प्रभाव

समान नागरिक संहिता, सशक्त भू-कानून, राज्य की महिलाओं को सरकारी नौकरियों में 30% क्षैतिज आरक्षण, राज्य आंदोलनकारियों के लिए सरकारी नौकरियों में 10% क्षैतिज आरक्षण, सख्त धर्मान्तरण विरोधी कानून, सख्त नकल विरोधी कानून, दंगों में सम्पत्तियों की सुरक्षा के लिए कड़ा कानून

▶ बड़े आयोजन

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट, 2023: उत्तराखण्ड को लक्ष्य से अधिक 3.50 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए।

इन्वेस्टर्स समिट में 3.5 लाख करोड़ के एमओयू, 30 निवेश अनुकूल नई नीतियां, लगभग 85 हजार करोड़ की ग्राउंडिंग पर कार्य गतिमान।

जी-20 सम्मेलन की बैठकें: जी-20 सम्मेलन के अंतर्गत आयोजित इंफ्रास्ट्रक्चर वर्किंग ग्रुप की बैठकों का उत्तराखण्ड में सफल आयोजन।

38वें राष्ट्रीय खेल: देवभूमि को रजत जंयती वर्ष के अवसर पर 38वें राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी का अवसर एवं सफल आयोजन।

अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी उत्तराखण्डी सम्मेलन: विभिन्न देशों में रहते हुए व्यापार व अन्य क्षेत्रों में नाम कमाने वाले प्रवासी उत्तराखण्डियों को अपने साथ जोड़ने के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी सम्मेलन का आयोजन।

विश्व आयुर्वेद कांग्रेस एवं अंतर्राष्ट्रीय एक्सपोः दिसंबर 2024, देहरादून में आयोजित इस कार्यक्रम में 60 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

नीति आयोग द्वारा सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) रैंकिंग में उत्तराखण्ड देश में प्रथम स्थान पर

- समान नागरिक संहिताः सबका साथ सबका विकास
- सख्त धर्मान्तरण विरोधी कानूनः जबरन धर्मान्तरण पर रोक
- रेल, रोड, रोपवे और एयर कनेक्टिविटी का विस्तार

सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी | www.uttarainformation.gov.in uttarakhandDIPR DIPR_UK uttarakhand DIPR

मतदाता पहचान पत्र भी आधार कार्ड से जुड़ेंगे

देश भर के मतदाता पहचान पत्रों को आधार से जोड़ा जाएगा। इसको लेकर एक बड़ा फैसला चुनाव आयोग ने लिया है। जल्द ही चुनाव आयोग और आधार तैयार करने वाली संस्था भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के तकनीक विशेषज्ञ इस पर काम करेंगे। हाल ही में डुप्लीकेट वोटर कार्ड को लेकर उठे विवाद की पृष्ठभूमि में ये फैसले लिए गए हैं। विपक्षी पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने अलग-अलग राज्यों में नागरिकों को दिए गए एक जैसे वोटर कार्ड नंबर पर चिंता जताई और चुनाव आयोग पर बीजेपी को फायदा पहुंचाने के लिए वोटर लिस्ट में हेराफेरी करने का आरोप लगाया। वोटर कार्ड के आधार से जुड़ने पर मतदाता सूची से जुड़ी गड़बड़ियां खत्म होंगी। मतदाताओं की एक प्रमाणित सूची देश के सामने आएगी। मतदाता सूची में फर्जी नामों से कोई नहीं जुड़ सकेंगे। राजनीतिक दलों की शिकायतें खत्म हो जाएगी। मतदाता सूची में अलग-अलग जगहों से कोई जुड़ नहीं सकेगा।

बैंक खाता आधार कार्ड से लिंक। राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, पैन कार्ड समेत शायद ही कोई ऐसा महत्वपूर्ण डॉक्यूमेंट होगा जो आधार से लिंक न हो। केवल वोटर आईडी कार्ड ही अभी तक ऐसा था जो आधार से जुड़ा नहीं था। अब जल्द केंद्र सरकार वोटर आईडी कार्ड को आधार से लिंक करने जा रही है। केंद्र सरकार और चुनाव आयोग अब मतदाता पहचान पत्र पर भी नजर रखेंगे। देश भर के मतदाता पहचान पत्रों को आधार से जोड़ा जाएगा। इसको लेकर एक बड़ा फैसला चुनाव आयोग ने लिया है। जल्द ही चुनाव आयोग और आधार तैयार करने वाली संस्था भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के तकनीक विशेषज्ञ इस पर काम करेंगे। पिछले दिनों चुनाव आयोग और यूनीक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया (यूआईडीएआई) के अफसरों की बैठक हुई। इस बैठक में आधार को वोटर आईडी कार्ड से जोड़ने पर सहमति बन गई है। देश के सभी राजनीतिक दलों से भी 30 अप्रैल 2025 तक सुझाव मांगे गए हैं। वर्तमान में आयोग ने 2023 तक 66 करोड़ से अधिक मतदाताओं के आधार विवरण एकत्र किए हैं, जिन्होंने स्वेच्छा से यह जानकारी दी थी। इन 66 करोड़ मतदाताओं के दो डेटाबेस को लिंक नहीं किया गया है। हालांकि, आगे चलकर निर्वाचन आयोग यूआईडीएआई के साथ मिलकर यह पता लगाएगा कि दोनों डाटाबेस को कैसे जोड़ा जाए, कम से कम उन मतदाताओं के लिए जिन्होंने स्वेच्छा से निर्वाचन आयोग को जानकारी दी है। इसके अलावा, मीटिंग में यह भी फैसला लिया गया कि फॉर्म 6बी (जिसे मतदाताओं की आधार संख्या एकत्र करने के लिए पेश किया गया था) को केंद्रीय कानून मंत्रालय द्वारा राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से संशोधित किया जाएगा ताकि इस बात पर अस्पष्टता दूर हो सके कि क्या यह जानकारी साझा करना स्वैच्छिक है। वर्तमान में फॉर्म 6बी में मतदाताओं के लिए आधार न देने के विकल्प नहीं हैं, केवल दो विकल्प दिए गए हैं, या तो आधार नंबर दें या घोषित करें कि मैं अपना आधार प्रस्तुत करने में सक्षम नहीं हूं क्योंकि मेरे पास आधार संख्या नहीं है। मतदाता पहचान के आधार से जुड़ने पर ये मिलेगा फायदा। मतदाता सूची से जुड़ी गड़बड़ियां खत्म होंगी। मतदाताओं की एक प्रमाणित सूची देश के सामने आएगी। मतदाता सूची में फर्जी नामों से कोई नहीं जुड़ सकेंगे। राजनीतिक दलों की शिकायतें खत्म हो जाएगी। मतदाता सूची में अलग-अलग जगहों से कोई जुड़ नहीं सकेगा। यानी दो जगहों से नहीं जुड़े पाएंगे। इस फैसले के बाद उम्मीद है कि भारत की चुनाव प्रणाली में सुधार देखने को मिलेगा। फर्जी वोटिंग पर लगाम लगेगी और चुनावी प्रक्रिया ज्यादा पारदर्शी बनेगी।

विपक्षी पार्टियों ने वोटर लिस्ट में हेराफेरी करने के लगाए थे आरोप

हाल ही में डुप्लीकेट वोटर कार्ड को लेकर उठे विवाद की पृष्ठभूमि में ये फैसले लिए गए हैं। विपक्षी पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने अलग-अलग राज्यों में नागरिकों को दिए गए एक जैसे वोटर कार्ड नंबर पर चिंता जताई और चुनाव आयोग पर बीजेपी को फायदा पहुंचाने के लिए वोटर लिस्ट में हेराफेरी करने का आरोप लगाया। हाल ही में लोकसभा सत्र के दौरान राहुल गांधी ने भी इस बात पर जोर दिया। इस विवाद ने तब तूल पकड़ा जब टीएमसी प्रमुख और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोलकाता में अपनी पार्टी की एक सभा में डुप्लिकेट ईपीआईसी नंबरों के मुद्दे को उठाया। बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा मतदाता सूचियों से छेड़छाड़ करने के लिए चुनाव आयोग के साथ मिलकर काम कर रही है।

वहीं कानून मतदाता सूचियों को आधार डेटाबेस के साथ स्वैच्छिक रूप से जोड़ने की अनुमति देता है। आधार-वोटर कार्ड लिंक करने की प्रक्रिया पहले से चल रही है। चुनाव आयोग का कहना है कि वोटर कार्ड को आधार से जोड़ने का काम मौजूदा कानून और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार किया जाएगा। इससे पहले 2015 में भी ऐसी ही कोशिश हुई थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी थी। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने वोटर आईडी कार्ड और आधार से लिंक

करने के फैसले का स्वागत किया है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर लिखा, भारत के चुनाव आयोग ने घोषणा की है कि वह आधार को मतदाता पहचान-पत्रों से जोड़ेगा। कांग्रेस और इंडिया गठबंधन लगातार मतदाता सूचियों के मुद्दे उठाते रहे हैं, जिसमें असामान्य रूप से अधिक संख्या में नाम जोड़ना, अप्रत्याशित रूप से हटाना और डुप्लिकेट मतदाता पहचान-पत्र शामिल हैं। जबकि आधार डुप्लिकेट मतदाता पहचान-पत्र संख्याओं को संबोधित कर सकता है, सबसे गरीब और सबसे हाशिए पर पड़े लोगों को लिंकिंग प्रक्रिया में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। ईसीआई को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी भारतीय अपने वोट से वंचित न रहे, और गोपनीयता संबंधी चिंताओं को दूर करना चाहिए। अब जबकि ईसीआई ने समस्या को स्वीकार कर लिया है, मैं अपनी पिछली मांग को दोहराता हूं कि उसे महाराष्ट्र 2024 विधानसभा और लोकसभा चुनावों की पूरी मतदाता सूची को सार्वजनिक रूप से साझा करके, नाम जोड़ने और हटाने के मुद्दे को भी संबोधित करना चाहिए।

यूसर्क द्वारा ''चतुर्थ विज्ञान प्रयोगधर्मी महिला सम्मान-2025'' का आयोजन

उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (यूसर्कद्ध, देहरादून द्वारा दिनांक 19 मार्च 2025 को ''चतुर्थ विज्ञान प्रयोगधर्मी महिला सम्मान-2025'' का आयोजन सी.आई.एम.एस. संस्थान, कुंआवाला देहरादून में किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में यूसर्क की निदेशक प्रो. (डॉ.) अनीता रावत द्वारा अतिथियों का स्वागत एवं कार्यक्रम की सम्पूर्ण रूपरेखा प्रस्तुत की गयी। उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि यूसर्क द्वारा उत्तराखण्ड राज्य में विज्ञान के अनुप्रयोगों से समाज में विशिष्ट अनुकरणीय कार्य करने वाली सुदूर ग्रामीण महिलाओं को चिन्हित कर एवं उनकी स्थिति को सुदृढ, रोजगारपरक बनाने एवं शिक्षित करने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। इसी उद्देश्य से विगत चार वर्षों से प्रगतिशील महिला उद्यमियों को विज्ञान प्रयोगधर्मी सम्मान से सम्मानित किया जा रहा है जिनके द्वारा राज्य में सफल अनुप्रयोगों के द्वारा उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किये गये है जो कि अन्य महिलाओं के लिये भी प्रेरणा स्रोत सिद्ध होगें।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नगर निगम आयुक्त श्रीमती नमामी बसंल, आई.ए.एस. नगर निगम, देहरादून द्वारा अपने सम्बोधन में कहा कि हमको अपने आस-पास की बालिकाओं, महिलाओं को मार्गदर्शन, दिशा देने तथा उनके करियर व आजीविका के लिये सतत् प्रयास करने होंगे ताकि उनका सामाजिक एवं आर्थिक विकास हो सके। उन्होंने कहा कि हम सभी को महिलाओं को उनके अधिकार, घरेलू हिंसा एवं उनके विरूद्ध होने वाले विभिन्न प्रकार के अपराधों के लिये व्यापक जागरूकता के लिये मिलकर कार्य करना होगा। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रतिभा करते हुए लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर जगमोहन सिंह राणा जी ने अपने संबोधन में उत्तराखंड के गढ़वाल एवं कुमाऊं के समृद्ध दूरस्थ इलाकों के उदाहरण देते हुए समझाया कि किस तरीके से इन इलाकों में महिलाओं के सामूहिक योगदान द्वारा पलायन को रोकने में मदद मिली है और इसी मॉडल को उन्होंने पूरे उत्तराखंड में लागू करने की बात कही। उत्तराखंड का विकास तभी हो सकता है जब सामूहिक रूप से महिलाओं का विकास होगा तथा साथ ही उन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय स्तर के विभिन्न अनुभवों को विद्यार्थियों के मध्य साझा किया।

कार्यक्रम की अति विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रतिष्ठित समामाजिक कार्यकर्ता एवं शिक्षाविद् श्रीमती रंजना रावत ने कहा कि राज्य के विकास में पर्वतीय महिलाओं का महत्वपूर्ण योगदान है। हमें महिलाओं के अधिकार एवं राज्य की ग्रामीण महिलाओं के सर्वागींण विकास हेतु मिलकर कार्य करने की आवश्यकता है।

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों द्वारा यूसर्क के तृतीय एवं चतुर्थ महिला प्रयोगधर्मी सम्मान से सम्मानित 16 महिलाओं की सूची:

तृतीय महिला प्रयोगधर्मी

1. सुश्री कविता पाल, कविता ऑर्गेनिक्स, देहरादून
2. श्रीमती भवानी देवी, लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह, चमोली
3. श्रीमती सरोजनी देवी, ग्राम-गिरसा, चमोली
4. श्रीमती शिवानी बिष्ट, ग्राम-मानघेर, नैनीताल
5. श्रीमती अनुप्रिया रावत, हर्षिल, उत्तरकाशी
6. श्रीमती दीपा पाण्डेय, हल्द्वानी मशरूम हाउस, हल्द्वानी
7. श्रीमती ऊषा देवी, ग्राम-कुण्ड, नौगांव, उत्तरकाशी
8. श्रीमती सीता देवी, दुवाकोटी न.न., टिहरी गढ़वाल
9. नीलम सिंह नेगी नीलकंठ, गौ पथ सेवा, पौड़ी गढ़वाल

चतुर्थ महिला प्रयोगधर्मी

1. श्रीमती मंजु रावत, हल्दूखाता, पौड़ी गढ़वाल
2. श्रीमती अनुसूया देवी, मैठाणा, पौड़ी गढ़वाल
3. श्रीमती तुलसी मेहरा, अध्यक्ष, गायत्री क्लस्टर, श्यामपुर
4. श्रीमती सुनीता देवी, सल्ट, अल्मोड़ा
5. श्रीमती भगवती देवी, धतूरीखत्ता, झीमार, अल्मोड़ा
6. श्रीमती लक्ष्मी मिश्रा, अध्यक्ष, संरक्षण सामाजिक सोसाईटी
7. श्रीमती चेतना टम्टा, ग्राम-उडेरखानी, बागेश्वर

यूसर्क द्वारा आयोजित प्रयोगधर्मी सम्मान निश्चित रूप से ग्रामीण महिलाओं के उत्थान में सहायक सिद्ध होगा।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि सी.आई.एम.एस., देहरादून के एडवोकेट श्री ललित जोशी ने अपने सम्बोधन में उपस्थिति प्रतिभागियों से कहा कि ग्रामीण क्षत्रों में महिला उद्यमियों के लिये सिथिति अभी भी अपेक्षानुकुल नहीं है। ग्रामीण उद्यमिता के क्षेत्र में अनेको विषम परिस्थितियां एवं कठिन चुनौतियां है। हमें सफल महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित कर इस दिशा में कार्य करने की आवश्यकता है।

कार्यक्रम का संचालन करते हुये यूसर्क की वैज्ञानिक डॉ. ओम प्रकाश नौटियाल ने उपस्थित सभी अतिथियों का परिचय कराया। यूसर्क की वैज्ञानिक डॉ. मन्जू सुन्दरियाल ने कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापित करते हुये कहा कि यूसर्क द्वारा राज्य के 09 जिलों से कुल 16 ग्रामीण उद्यमी महिलाओं को विज्ञान प्रयोगधर्मी सम्मान से सम्मानित किया जा रहा है, जिनके सफल अनुप्रयोगों को अन्य जिलों में भी दोहराने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उक्त कार्यक्रम में विज्ञान के सहयोग से समाज में अनुकरण ीय कार्य करने वाली 09 महिलाओं को तृतीय 'विज्ञान प्रयोगधर्मी महिला सम्मान' एवं 07 चतुर्थ 'विज्ञान प्रयोगधर्मी महिला सम्मान' को प्रदान किया गया, जिसके अन्तर्गत कुल 16 महिलाओं को पुरस्कार स्वरूप रू0 5000 की धनराशि, प्रशस्ति पत्र, शॉल एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से यूसर्क के वैज्ञानिक डॉ. ओम प्रकाश नौटियाल, डॉ. भवतोष शर्मा, डॉ. राजेन्द्र सिंह राणा, ई. उमेश चन्द्र जोशी, ई. ओमप्रकाश, ई. राजदीप जंग द्वारा सक्रिय सहयोग प्रदान किया गया। सहित लगभग 300 से अधिक लोग उपस्थित थे।

यूजेवीएन लिमिटेड के तिलोथ विद्युत गृह को मिला केंद्रीय सिंचाई एवं ऊर्जा बोर्ड का प्रतिष्ठित पुरस्कार

केंद्रीय विद्युत एवं सिंचाई बोर्ड द्वारा दिनांक 21 मार्च 2025 को स्कोप सेंटर, नई दिल्ली में सीबीआईपी दिवस का आयोजन किया गया तथा इस अवसर पर जल संसाधन, ऊर्जा तथा गैर पारंपरिक ऊर्जा क्षेत्र में कार्य कर रहे विभागों तथा पेशेवरों को उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों के आधार पर पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

इसी क्रम में यूजेवीएन लिमिटेड के सीमांत जनपद उत्तरकाशी में स्थित 90 मेगावाट क्षमता के तिलोथ विद्युत गृह को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली जल विद्युत परियोजना (बेस्ट परफोरमिंग हइर्डो प्रोजेक्ट) का पुरस्कार प्रदान किया गया। यूजेवीएन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक डॉ. संदीप सिंघल ने अध्यक्ष, केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण घनश्याम प्रसाद तथा अध्यक्ष, केंद्रीय जल आयोग डॉ. एम.के. सिन्हा के हाथों यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त किया। तिलोथ विद्युत गृह को यह पुरस्कार विद्युत उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि के साथ ही सुरक्षा तथा पर्यावरणीय मानकों के अनुपालन में बेहतरीन प्रदर्शन आदि पहलुओं के आधार पर दिया गया है। प्रबंध निदेशक डॉ. संदीप सिंघल ने निगम की इस उपलब्धि पर हर्ष प्रकट करते हुए इसका श्रेय निगम के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को देते हुए कहा कि यूजेवीएन लिमिटेड ने अपनी बेहतरीन कार्यसंस्कृति से ऊर्जा क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है।

उल्लेखनीय है कि केंद्रीय विद्युत एवं सिंचाई बोर्ड (सीबीआईपी) का गठन भारत सरकार द्वारा लगभग 98 वर्ष पूर्व केंद्र सरकार को तकनीकी सहायता प्रदान करने हेतु किया गया था। बोर्ड ऊर्जा तथा जल संसाधन के क्षेत्र में कार्य कर रही संस्थाओं तथा पेशेवरों को बेहतर कार्य प्रणालियों तथा तकनीकों का ज्ञान प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आ रहा है।

कार्यक्रम में अध्यक्ष, केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण घनश्याम प्रसाद, केंद्रीय जल आयोग के अध्यक्ष डॉ. एम.के. सिन्हा, यूजेवीएन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक डॉ. संदीप सिंघल, अधिशासी निदेशक पंकज कुलश्रेष्ठ, केन्द्रीय सिंचाई एवं विद्युत परिषद के वरिष्ठ अधिकारियों सहित बड़ी संख्या में देश भर की सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

रीजनल पार्टी ने की पूर्व मंत्री, सांसद पर कार्रवाई की मांग

राष्ट्रवादी रीजनल पार्टी पदाधिकारियों ने देहरादून स्थित वन मुख्यालय मे मुख्य वन संरक्षक बीपी गुप्ता से मुलाकात की।

पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवप्रसाद सेमवाल ने बताया कि पूर्व कैबिनेट मंत्री माननीय प्रेमचंद अग्रवाल और भाजपा सांसद तथा प्रदेश अध्यक्ष माननीय महेंद्र भट्ट द्वारा होटल निर्माण हेतु वन भूमि कब्जा कर अवैध सड़क बनाने मे संलिप्त भूस्वमियों और वन विभाग तथा राजस्व विभाग के अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग को लेकर वन मुख्यालय मे मुलाकात की गयी तथा होटल के लिए वन भूमि कब्जाने पर कठोर कार्रवाई करने की मांग की।

मुख्य वन संरक्षक बीपी गुप्ता को पार्टी पदाधिकारियों ने इस संबंध में कार्यवाही की मांग करते हुए ज्ञापन भी सौंपा। बीपी गुप्ता ने जंगलात की जमीन को कब्जा जाने के प्रकरण को गंभीर मानते हुए तत्काल कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। राष्ट्रवादी रीजनल पार्टी की प्रदेश अध्यक्ष सुलोचना ईष्टवाल ने कहा कि इस भूमि के विषय में ऑनलाइन डिटेल भी हटा दी गई है।

इस दौरान साथ मे राष्ट्रवादी रीजनल पार्टी की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती सुलोचना ईष्टवाल, संगठन सहसचिव श्री राजेंद्र सिंह गुसाईं, श्री देवेंद्र सिंह गुसाईं, श्री दिग्गपाल सिंह बंगारी, श्री मुकेश जी आदि शामिल रहे।

मुंबई में आयोजित हुआ आपदा प्रबंधन पर दूसरा प्री-शिखर सम्मेलन

उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (युकोस्ट) द्वारा आपदा प्रबंधन पर दूसरा प्री-शिखर सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, मुंबई में किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन महाराष्ट्र सरकार के वन एवं पर्यावरण मंत्री, गणेश नाईक और युकोस्ट के महानिदेशक प्रोफेसर दुर्गेश पंत की गरिमामयी उपस्थिति में दीप प्रज्वलन कर हुआ।

कार्यक्रम के दौरान महाराष्ट्र के माननीय वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री गणेश नाईक ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी को राज्य सरकार के तीन वर्षों की सफलता पर बधाई दी और उत्तराखंड सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड से निकलने वाली मां गंगा के जल की शुद्धता आज भी सनातन धर्म की संस्कृति को संजोए हुए है। इसके अलावा, उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में आपदाओं के समय किए गए तत्पर और सहायक प्रयासों की भी सराहना की। मंत्री नाईक ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी हमेशा आपदा के समय हर राज्य सरकार के साथ तन, मन और धन से खड़े रहते हैं और इस दिशा में उनका योगदान सराहनीय है।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने वीडियो संदेश के माध्यम से प्री कॉन्फ्रेंस के लिए अपनी शुभकामनायें प्रेषित की और इस महत्वपूर्ण विषय पर कार्यशाला आयोजित करने हेतु यूकॉस्ट सहित सभी आयोजकों को बधाई दी।

इस कार्यक्रम में यूकॉस्ट के महानिदेशक प्रोफेसर दुर्गेश पंत ने महाराष्ट्र के वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री गणेश नाईक का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आपदा प्रबंधन पर आधारित इस प्री-शिखर सम्मेलन का आयोजन मुंबई में करने का मुख्य उद्देश्य यह है कि आपदा प्रभावित राज्यों के साथ वैज्ञानिक और तकनीकी सहयोग से कार्य किया जा सके। प्रोफेसर पंत ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा आपदा प्रबंधन के लिए किए गए प्रयासों की सराहना की और यह भी बताया कि उत्तराखंड में हर साल आपदाएँ आती रहती हैं, जिस से निपटने के लिए पहले से ही राज्य सरकार लगातार काम कर रही है।

कार्यक्रम में देश भर के केंद्र सरकार के संस्थानों और शैक्षणिक संस्थानों के वैज्ञानिकों ने कार्यक्रम के किये गए अलग अलग सत्र में आपदा प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार और अनुभव साझा किए। इस सम्मेलन में टाटा इंस्टीटयूट ऑफ सोशल साइंसेस, स्ट्रेटेजिक वेन्यू, वित्रय, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर मुंबई सहित कई प्रमुख संस्थानों ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आपदा प्रबंधन पर आधारित यह सम्मेलन न केवल उत्तराखंड बल्कि पूरे देश में आपदा से निपटने के लिए एक ठोस वैज्ञानिक और तकनीकी दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के लिए एक अहम कदम साबित हुआ है।

कार्यक्रम के संयोजक प्रहलाद अधिकारी व मीडिया संयोजक अमित पोखरियाल, प्रबन्धक जनसम्पर्क, यूकॉस्ट ने बताया कि उत्तराखंड जैसे राज्य जहां पर आपदा से संबंधित समस्या बनी रहती है, ऐसे सम्मेलनों के आयोजन से निश्चित ही मंथन उपरांत अच्छे सुझाव मिलेंगे जो आपदा प्रबंधन मे सहायक होंगे।

बाल आयोग ने स्कूल दुर्घटनाओं का लिया संज्ञान

आयोग की अध्यक्षा पहुंची वाइनबर्ग एलेन स्कूल,

वाइनबर्ग एलेन में छात्र की मृत्यु की दुखद घटना का उत्तराखंड बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने संज्ञान लिया है। आयोग की अध्यक्ष, डॉ. गीता खन्ना ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी, देहरादून को निर्देश दिए हैं कि एक मेडिकल टीम का गठन किया जाए। यह टीम बच्चे के डूबने और उसके तत्पश्चात दी जाने वाली प्राथमिक चिकित्सा (फर्स्ट एड) एवं अन्य सुविधाओं की जांच करेगी। साथ ही, अस्पताल में ऑक्सीजन की उपलब्धता, सुरक्षा कर्मियों, लाइफ गार्ड्स की तैनाती एवं उनमें प्राथमिक उपचार (फर्स्ट एड), लाइफ सपोर्ट और सीपीआर देने की क्षमता का भी मूल्यांकन किया जाएगा।

इसके अतिरिक्त, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, देहरादून एवं जिला अधिकारी, चीफ मेडिकल ऑफिसर एवं मुख्य शिक्षा अधिकारी देहरादून को संपूर्ण मामले की जांच कर विस्तृत आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। 14 तारीख़ को मुख्यमंत्री के आदेश के उपरांत भी इस विद्यालय ने छुट्टी नहीं दी थी इसके लिए अधिकारियों ने जा कर विद्यालय को बंद कराया।

यह स्मरणीय है कि पिछले वर्ष हल्द्वानी के एक विद्यालय के छात्र की बरेली के पार्क में डूबने से मृत्यु हो गई थी। इस घटना के बाद आयोग ने सरकार को पत्र लिखकर शिक्षा विभाग एवं पर्यटन विभाग को सूचित किया था कि सभी एडवेंचर स्पोर्ट्स स्थलों एवं विद्यालयों में कम से कम 30% स्टाफ को सीपीआर प्रशिक्षण प्राप्त होना अनिवार्य किया जाए, ताकि किसी भी दुर्घटना की स्थिति में वे केवल बच्चे को लेकर भागने के बजाय त्वरित उपचार प्रदान कर सकें।

एनएसयूआई छात्र संघ अध्यक्ष को मानहानि का नोटिस

गोपेश्वर इंजीनियरिंग कॉलेज के निदेशक डॉ. अमित अग्रवाल पर अनर्गल आरोप लगाता डीएवी छात्र संघ का अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल

उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय में छात्रों के प्रदर्शन के दौरान बिना तथ्यों के बयानबाजी, लिखित प्रेस विज्ञप्ति बांटकर अनर्गल आरोप लगाने, प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने के आरोप में गोपेश्वर इंजीनियरिंग कॉलेज के निदेशक डॉ अमित अग्रवाल ने छात्र संघ सिद्धार्थ अग्रवाल को मानहानि का नोटिस भेजा है।

छात्र संघ अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल द्वारा आईटी गोपेश्वर के निदेशक डॉ. अमित अग्रवाल पर झूठे वा आधारहीन आरोप लगाए गए थे। सिद्धार्थ अग्रवाल ने गोपेश्वर इंजीनियरिंग कॉलेज के निदेशक पर लिखित में तथा धरने के दौरान आरोप लगाया था कि अमित अग्रवाल ने एक ही समान तिथि में दो डिग्रियां प्राप्त की हैं। गोपेश्वर इंजीनियरिंग कॉलेज के निदेशक प्रो अमित अग्रवाल ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से कानूनी नोटिस भेजकर कहा है कि या तो सिद्धार्थ अग्रवाल एक ही दिन में दो डिग्री प्राप्त करने के अपने आरोप की सत्यता को सिद्ध करें अन्यथा सार्वजानिक मंच से अपने कृत्य के लिए माफ़ी मांगे और अपने द्वारा लगाए गए फर्जी आरोपों का खंडन जारी करें।

गौरतलब है कि छात्र संघ के अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल द्वारा जिलाधिकरी को एक ज्ञापन प्रेषित कर उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति व परीक्षा नियंत्रक के विरुद्ध कथित अनियमितता किए जाने तथा आईटी गोपेश्वर के निदेशक डॉ. अमित अग्रवाल पर एक ही दिन में दो डिग्री प्राप्त कर नियुक्ति लेने के कथित आरोप लगाकर अपने सोशल मीडिया पर अकाउंट पर प्रचार प्रसार किया गया था। अब निदेशक डॉ. अमित अग्रवाल की ओर से छात्रसंघ अध्यक्ष को नोटिस भेज कर आरोपो को सिद्ध करने की बात कही गई है।

डीएवी कॉलेज छात्र संघ के अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल के झूठे आरोपों से व्यथित डॉ. अमित अग्रवाल, निदेशक, गोपेश्वर इंजीनियरिंग कॉलेज

राज्यपाल का दिल्ली दौरा

देश के शीर्षस्थ नेताओं के साथ की मुलाकात, राज्य के विकास पर चर्चा

सलमान खान सिकंदर के प्रमोशन से क्यों बना रहे दूरी?

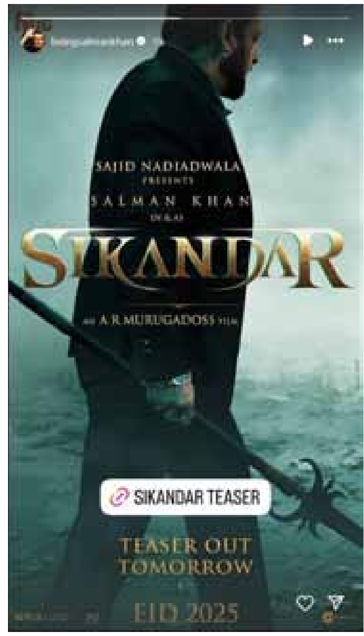

सामने आई बड़ी वजह सलमान खान की मोस्ट अवेटेड फिल्म सिकंदर की चर्चा हर तरफ चल रही है। सिनेमा लवर्स फिल्म के रिलीज होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। भाईजान ईद के मौके पर रिलीज होने वाली मोस्ट अवेटेड फिल्म का प्रमोशन ज्यादा मेहनत के साथ नहीं कर रहे हैं। अब इसके पीछे की बड़ी वजह का खुलासा हो गया है।

ईद के मौके पर सलमान खान की कई फिल्में पहले भी रिलीज हो चुकी हैं। आमतौर पर भाईजान मूवी का प्रमोशन जमकर करते हैं, लेकिन मोस्ट अवेटेड मूवी सिकंदर के प्रचार के लिए एक्टर को ज्यादा इवेंट में शिरकत करते हुए नहीं देखा जा रहा है।

एआर मुरुगदास की निर्देशित फिल्म के कम प्रमोशन के पीछे की वजह भी सामने आ गई है।

30 मार्च 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' तैयार है, लेकिन इसके प्रचार को सीमित रखा गया है। भाईजान के फैंस को इस बारे में जानकर हैरानी हो रही है कि इतनी बड़ी फिल्म का प्रमोशन बड़े स्तर पर क्यों नहीं किया जा रहा है।

पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक, सलमान खान अपनी अपकमिंग फिल्म का प्रचार बड़े पैमाने पर सुरक्षा कारणों के चलते नहीं कर रहे हैं। फिलहाल सलमान की सार्वजनिक गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसके कारण ही सिकंदर के प्रमोशन को सीमित रखा गया है।

सलमान खान बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने की तैयारी कर चुके हैं। प्रशंसकों के बीच मूवी को लेकर बज बना हुआ है। टीजर रिलीज होने के बाद से ही फिल्म की स्टोरी को लेकर फैंस की एक्साइटमेंट डबल हो गई। इस बीच एक मोस्ट अवेटेड मलयालम फिल्म एडवांस बुकिंग के मामले में फिल्म को टक्कर देती नजर आ रही है।

सिकंदर के क्रेज के बीच मोहनलाल और पृथ्वीराज सुकुमारन की फिल्म 'एल2 एम्पुरान' चर्चा में आ गई है। बता दें कि यह सलमान खान की मूवी से तीन दिन पहले यानी 27 मार्च को रिलीज होगी। इस फिल्म ने एडवांस बुकिंग में टिकटों की रिकॉर्ड तोड़ बिक्री दर्ज की है।

पहले दिन के लिए फिल्म की 54869 टिकटें पूरे भारत में बिक चुकी हैं। इस आंकड़े में आगामी कुछ दिनों में इजाफा भी हो सकता है। इसके कलेक्शन की रफ्तार को देखकर अंदाजा लगाया जा रहा है कि यह अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली मलयालम फिल्म बन सकती है।

R.N.I.: UTTHIN/2010/41629 Postal Regd. UA/DO/DDN/01/2025-2027

जानिए कैसा होगा आपका यह सप्ताह

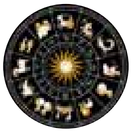
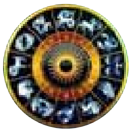

पं. दीपक प्रसाद, शास्त्री (मो. 9557730042)
(ज्योतिष, कर्मकाण्ड, धर्मिक अनुष्ठान आदि)

मेष राशि– दिन की शुरुआत में चुनौतियां रहेंगी। अपने व्यवहार और मेहनत से सब ठीक भी कर लेंगे। अपना कोई सपना साकार करने के लिए आत्मविश्वास और मेहनत की जरूरत है। यह गुण आप में हैं। विद्यार्थियों को प्रतियोगिता संबंधी परीक्षा में बेहतर परिणाम मिलेंगे। सबको खुश रखने की बजाय अपने काम पर ध्यान लगाकर रखें।

वृषभ राशि– लाभदायक स्थिति बनी हुई है। मेहनत के उचित परिणाम हासिल करने के लिए कर्म प्रधान तो होना ही पड़ेगा। अपनी ऊर्जा और क्षमता पहचानें। उनका उपयोग करें। प्रॉपर्टी के खरीद-फरोख्त संबंधी कोई योजना बनाई है तो आज उसकी फलीभूत होने का समय आ गया है। समय अनुसार खुद को ढालना भी जरूरी है।

मिथुन राशि– अपनी कार्यप्रणाली में परिवर्तन लाने से व्यवस्थित दिनचर्या बनेगी। अन्य गतिविधियों पर भी ध्यान दे पाएंगे। राजनीतिक क्षेत्र में आपके संपर्क कुछ महत्वपूर्ण लोगों के साथ और अधिक घनिष्ठ होंगे। शाम के समय लाभ मिलने के योग बन रहे हैं। कोई भी विषम परिस्थिति बनने पर घबराना नहीं है, उनका डटकर सामना करें।

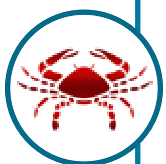

कर्क राशि– कई तरह की गतिविधियों में व्यस्त रहेंगे। आपका खुशनुमा मिजाज घर के माहौल को अच्छा रखेगा। युवाओं को अपने किसी प्रयास को साकार करने का उचित समय है। सही समय पर सही निर्णय लेना और उस पर काम करना बहुत जरूरी है। दोस्तों के साथ आलस्य में समय खराब न करें। एक अप्रैल से कार खरीदना हो जाएगा महंगा

सिंह राशि– संतान की शिक्षा या करियर संबंधित महत्वपूर्ण स्थिति पर भी विचार विमर्श होगा। कोई विवादित संपत्ति संबंधी मामला है, तो किसी की मध्यस्थता से हल हो सकता है। सही समय पर सही काम न करने से नुकसान हो सकता है। अपने व्यवहार में धैर्य और सौम्यता रखना जरूरी है। पुरानी जायदाद संबंधी समस्या का अभी समाधान मिलना मुश्किल है।

कन्या राशि– सकारात्मक संतुलित सोच से योजनाबद्ध तरीके से दिनचर्या बीतेगी। जिससे आपका उत्साह और मनोबल बना रहेगा। किसी प्रिय मित्र से मुलाकात सुखद अनुभूति देगी। थोड़ा समय अपनी रुचि पूर्ण कामों में भी बीताएं। इससे मानसिक सुकून मिलेगा। बहुत मेहनत और थकान से चिड़चिड़ापन हो सकता है। वाहन खरीदने की योजना को स्थगित कर दें।

तुला राशि– महिलाएं पारिवारिक कामकाज के साथ-साथ अपने व्यक्तिगत कार्यों के लिए भी समय निकाल लेंगी। भाई-बहनों के साथ संबंध अच्छे रखें। विद्यार्थी और युवा वर्ग व्यर्थ की मौज मस्ती में समय खराब न करें। कामकाज को लेकर की गई नजदीकी यात्रा आपके अच्छे भविष्य का रास्ता खोलेगी। पार्टनरशिप संबंधी योजना बनी है तो अच्छा समय है।

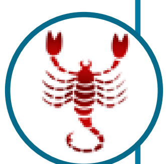

वृश्चिक राशि– पारिवारिक और सामाजिक कामों में सामंजस्य रहेगा। बड़े लोग किसी यात्र पर जाने का प्रोग्राम बना सकते हैं। बहुत खर्चा हो ने से हाथ तंग रहेगा। उधार दिए पैसे की वापसी की कोशिश करें। महत्वपूर्ण फैसले लेने से पहले उसके बारे में दोबारा विचार जरूर करें। स्टाफ के तालमेल बनाकर रखने से अपने कामों को अच्छी तरह से अंजाम दे पाएंगे।

धनु राशि– कोई आपकी उदारता का नाजायज फायदा उठा सकता है। पैसों का मैनेजमेंट करने की सख्त जरूरत है। इस समय व्यवसाय में नए कार्य शुरू करने का अनुकूल समय है। अपनी फाइल या पेपर व्यवस्थित रखें। शेयर बाजार, कमोडिटी में सोच-समझकर निवेश करें। ऑफिस में सहयोगियों के साथ संबंध अच्छे रहेंगे। दांपत्य संबंधों में भावनात्मक नजदीकी रहेगी।

मकर राशि– महत्वपूर्ण लक्ष्य पाने के लिए आप अपनी पूरी ऊर्जा लगा देंगे। सफल भी रहेंगे। अनावश्यक खर्चे ज्यादा रहेंगे। इन पर कटौती करना संभव नहीं होगा। इसका असर आपकी आर्थिक स्थिति पर पड़ेगा। अपने आत्मविश्वास और कार्य क्षमता को मजबूत रखना जरूरी है। सहयोगियों और कर्मचारियों पर आपका विश्वास उनकी कार्य क्षमता बढ़ाएगा।

कुंभ राशि– आपकी योग्यता और कार्य प्रणाली आपके कामों में गति देगी। घर के सदस्य की विवाह संबंधी योजनाएं बनेंगी। निवेश करने से पहले आर्थिक स्थिति का ध्यान रखें। युवाओं में लापरवाही या व्यवहार कुशलता की कमी रहेगी। सोच-विचार करने से महत्वपूर्ण उपलब्धियां हाथ से निकल सकती हैं। इससे नुकसान हो सकता है। दांपत्य जीवन में मधुरता रहेगी।

मीन राशि– युवा अपने भविष्य को लेकर ज्यादा सक्रिय और गंभीर रहेंगे। अति उत्साह और बेवजह के तर्क वितर्क से बचने की जरूरत है। लेनदेन करते समय लापरवाही से नुकसान होने की आशंका है सावधान रहें। ऑनलाइन शॉपिंग करते समय अपने बजट का भी ध्यान रखें। व्यवसायिक गतिविधियों में पिछले कुछ समय से चल रही रुकावट दूर होंगी।